प्रकाश स्तम्भ पर की दादी प्रकाशमणि के प्रकाश की अनुभूति

दादी प्रकाशमणि के 12वें पुण्य स्मृति दिवस पर प्रकाश स्तम्भ पर दादी को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए देश विदेश से आये जिज्ञासु।

शांतिवन। ब्रह्माकुमारी संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि के 12वें पुण्य स्मृति दिवस पर शांतिवन परिसर में दादी प्रकाशमणि की स्मृति में बने प्रकाश स्तम्भ पर आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में देश तथा विदेश से आये दस हज़ार से भी अधिक लोगों ने दादी को अपने स्नेह सुमन अर्पित किये। ब्रह्ममुहूर्त सुबह तीन बजे से ही दादी की प्रेरणादायी स्मृतियों को ताज़ा करते हुए सभी ने विशेष योग किया। इसके माध्यम से समस्त संसार में विश्व बंधुत्व, विश्व एकता और सद्भाव की कामना करते हुए योग के शुभ प्रकम्पन फैलाए। संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि दादी ममता और स्नेह की साक्षात मूरत थीं। आपकी ममतामयी पालना का ही कमाल है जो आपके सानिध्य में बीस हज़ार से अधिक बहनों ने खुद को समाज सेवा और विश्व कल्याण के कार्य में अर्पित कर दिया। महासचिव राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर ने भी दादी के साथ के अपने अनुभव साझा किए। शांतिवन कार्यक्रम प्रबंधिका ब्र.कु. मुन्नी ने कहा कि मैंने दादी के साथ रहकर यज्ञ को चलाने की कला सीखी। दादी के हर कर्म में बाबा की झलक दिखती थी। मैंने देखा कि दादी जी जितनी महान थीं उतनी ही वो निर्माण और निर्मान भी थीं। उनके हर संकल्प को आज हम साकार होते हुए देख रहे हैं।

दादी के सानिध्य मे पाँचों महाद्वीपों में पहुंचा परमात्म संदेश

वर्ष 1969 में संस्था के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के अव्यक्त होने के बाद दादी ने इसकी बागडोर संभाली। दादी के सानिध्य में ही अध्यात्म और राजयोग मेडिटेशन का संदेश विश्व के एक सौ सैंतीस देशों तक पहुंचा और एक नन्हें से पौधे ने वटवृक्ष का रूप ले लिया। विश्व भर में आठ हज़ार से अधिक सेवाकेन्द्र का संचालन शुरू किया गया। जिसके फलस्वरूप प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय को संयुक्त राष्ट्र संघ ने गैर सरकारी संस्था के तौर पर आर्थिक एवं सामाजिक परिषद् का परामर्शक सदस्य बनाया जो कि यूनिसेफ से भी सम्बंधित है। साथ ही साथ पीस मैसेंजर अवॉर्ड से भी संस्था को नवाज़ा गया।

प्रकाश स्तम्भ पर दादी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए ब्र.कु. मुन्नी दीदी। साथ हैं ब्र.कु. निर्वैर, ब्र.कु. संतोष दीदी, ब्र.कु. शारदा, ब्र.कु. पुष्पा, ब्र.कु. शुक्ला व अन्य भाई बहनें।

'परमात्म शक्ति द्वारा स्वर्णिम युग' पर सफल सम्मेलन

ब्रह्माकुमारीज़ के धार्मिक प्रभाग द्वारा त्रिदिवसीय सम्मेलन में शरीक हुए भारत वर्ष से सैकड़ों धर्म प्रेमी प्रतिनिधि

दीप प्रज्वलित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. गोदावरी दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. मनोरमा, ब्र.कु. रामनाथ, साध्वी स्वाति गिरी, स्वामी कैलाश स्वरूपानंद जी, गोरक्षानंद काका जी महाराज, जगन्नाथ जी पाटिल, डॉ. रामचन्द्र देखणे तथा अन्य।

ज्ञानसरोवर-माउण्ट आबू। राजयोगी ब्र.कु. करुणा, चेयरपर्सन,मीडिया प्रभाग ने कहा कि दुनिया में अनेक धर्म हैं जो अपने-अपने समय पर आए हैं। किन्तु आदि सनातन देवी देवता धर्म अनादि काल से चला आ रहा है। इसी धर्म को पुनः सजीव करने का प्रयास ब्रह्माकुमारी संस्थान पिछले 83 वर्षों से लगातार कर रहा है। ज्ञानसरोवर निदेशिका राजयोगिनी डॉ. निर्मला ने कहा कि माउंट आबू परमात्म अवतरण भूमि है। यहाँ पर परमात्मा द्वारा सर्व अखुट खज़ाने पाने के लिए उनको जान कर और समझ कर योग सीखना है और पावन बनने का पुरुषार्थ करना है। राजयोगिनी गोदावरी दीदी,उपाध्यक्षा,धार्मिक सेवा प्रभाग, मुलुंड,मुम्बई ने कहा कि 'ओम शांति' स्वयं परमात्मा का दिया हुए एक ऐसा महामंत्र है जो संसार में शांति की स्थापना करके ही रहेगा। धार्मिक सेवा प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. मनोरमा ने कहा कि गीता में बताया गया है कि धर्म की ग्लानि होने पर परमात्मा का अवतरण होता है। परमात्मा ने आकर बताया कि आत्म स्मृति से ही खोये हुए मूल्यों को फिर प्राप्त करना है। विद्यावाचस्पति डॉ. रामचन्द्र देखणे,पुणे ने कहा कि समाज को चारित्रिक रूप से समृद्ध करने के लिए अध्यात्म ही एकमात्र आधार है जो मानव को मानव से जोड़ता है। रमताराम आश्रम चण्डीगढ़ से आये स्वामी अतुल कृष्ण महाराज ने कहा कि जीवन में गीता ज्ञान की धारणा ही श्रेष्ठ समाज के निर्माण की सीढ़ी है। राष्ट्रीय संत रामेश्वर तीर्थ जी,तन्मय धाम, ओंकारेश्वर ने कहा कि मैं इस सभागार में साकार परमात्मा के दर्शन कर रहा हूँ। 108 साध्वी विजय लक्ष्यपुरी, शिव शक्ति मंदिर,मोगा ने आह्वान किया कि यहाँ अधिक से अधिक संख्या में लागे पधारें और यहाँ की शिक्षाओं को जीवन में धारण करें। यहाँ की सादगी और पवित्रता अनुकरणीय है। दिलीप सिंह जी रागी,नांदेड़ ने स्वर्णिम युग की स्थापना पर अपने विचार रखे। प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. रामनाथ ने कहा कि स्वर्ग में देवी देवताओं के जीवन में अनेक गुण और मूल्य होते हैं। आध्यात्मिकता को जीवन में स्थान देकर ही उन्होंने यह पद पाया है।

जो भारत सोने की चिड़िया कहलाता था, उसे फिर से वही गरिम प्रदान करने का प्रयास ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा किया जा रहा है। ईश्वरीय ज्ञान को समझकर उसे जीवन में धारण करके इस स्वप्न को साकार किया जा सकता है। - **कथा प्रवक्ता साध्वी स्वाति गिरी,वृन्दावन धाम।**

जिस शक्ति से सम्पूर्ण विश्व संचालित है, उस परमात्मा की शक्ति से स्वर्णिम युग की स्थापना अवश्य होगी। जिसकी अनुभूति मुझे यहाँ हो रही है। - **स्वामी कैलाश स्वरूपानंद जी,अखंड गीता मंदिर,अम्बाला।**

यहाँ आने पर शांति की विशेष अनुभूति हो रही है। शांति की स्थापना के लिए हर होम में ओम शांति की ज़रूरत है। - **कथाकार जगन्नाथ पाटिल जी महाराज।** राजयोग और गीता के ज्ञान से ही श्रेष्ठ समाज का निर्माण होगा। - **गोरक्षानन्द काका जी महाराज, नासिक,महा.।**

80 साल के रामगोपाल, आबू रोड से माउण्ट आबू की 21 कि.मी. की दूरी 3 घंटे में तय कर प्रथम रहे

अंतर्राष्ट्रीय मैराथन में हर आयु के लोगों में दिखा उत्साह

मैराथन के शुभारंभ पर अपनी शुभकामनायें व्यक्त करते हुए जिला प्रमुख पायल परसरामपुरिया। मंचासीन हैं ब्र.कु. भरत, ब्र.कु. मृत्युंजय, गुजराती फिल्म अभिनेत्री पल्लवी पाटिल, ब्र.कु. डॉ. सविता, आबूरोड नगरपालिका चेयरमैन सुरेश सिंदल तथा अन्य।

शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि के12वें पुण्य स्मृति दिवस पर 21 कि.मी. लंबे अंतर्राष्ट्रीय मैराथन का आयोजन हुआ। इस मैराथन की विशेषता यह रही कि इसमें विदेश से आए धावकों ने भी भाग लिया। वहीं 60 वर्ष से अधिक वाले वर्ग में दिल्ली के 80 साल के रामगोपाल 3 घण्टे में मैराथन को पूरा कर इस वर्ग में पहले स्थान पर रहे। इतना ही नहीं, वे अब तक 10 मैराथन दौड़ में हिस्सा ले चुके हैं। मैराथन दौड़ में

कनाडा, इथोपिया, केन्या, नेपाल समेत देश के विभिन्न प्रदेशों से आए पंद्रह सौ प्रतियोगी सम्मिलित हुए।

इससे पूर्व जिला प्रमुख पायल परसरामपुरिया, प्रदेश के पूर्व मुख्य उप सचेतक तथा कांग्रेस नेता रतन देवासी, गुजराती फिल्म अभिनेत्री पल्लवी पाटिल, ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव ब्र.कु. मृत्युंजय, मा.आबू न.प. चेयरमैन सुरेश थिंगर, आबूरोड न.प. चेयरमैन सुरेश सिंदल व पूर्व चैम्पियन धावक सुनीता गोदारा आदि अतिथियों ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के वरिष्ठ भाई बहनें मौजूद रहे। अंत में विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

समय पर सोना-उठना, राजयोग व व्यायाम ही मेरी सबसे बड़ी ताकत : रामगोपाल

दिल्ली के करीब 80 साल के रामगोपाल का मैराथन में उत्साह देखते ही बन रहा था। वे दादी प्रकाशमणि के पुण्य स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित मैराथन में लगातार दूसरी बार सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने बताया कि वे अब तक दस मैराथन में भाग ले चुके हैं। इसमें दो बार रात्रिकालीन मैराथन सम्मिलित है। इसके साथ ही उन्होंने चारधाम की पैदल यात्रा भी की है। मैराथन उनकी रुचि है। इसलिए जहाँ भी यह आयोजन होता है वहाँ पर सम्मिलित होने के लिए जाते हैं। उन्होंने युवाओं को स्वस्थ जीवन जीने के लिए संतुलित जीवनचर्या बनाए रखने, प्राणायाम एवं रात्रि में जल्दी सोने व सवेरे जल्दी उठने को प्रेरित किया।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd Sep 2019
प्रकाशक एवं संपादक : ब्र.कु. गंगाधर, डी.बी. प्रिंट कॉर्प. जयपुर से मुद्रित एवं ब्रह्माकुमारीज़ के लिए छपवाया। **कार्यालय :** ओमशान्ति मीडिया,ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन,आबू रोड - 307510, ई.मेल - omshantimedia@bkivv.org